गुड़गांव टुडे

गुड़गांव में निवेशकों का महाकुंभ शुरू

हरियाणा स्थायी समग्र अर्थव्यवस्था : अरुण जेटली

अनिल आर्य,

साईबर सिटी गुड़गांव में देश और विदेशों के निवेशकों का महाकुंभ सोमवार को महाशिवरात्रि पर शुरू हो गया। इस मौके पर अपने उद्घाटन भाषण में केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने हरियाणा को एक स्थायी समग्र अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा कि यह क्षेत्र भर के महत्वाकांक्षियों का संगम स्थल बनकर उभरेगा। जेटली सोमवार को गुड़गांव में शुरू हुए अपनी तरह के पहले दो दिवसीय हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बोल रहे थे।

जेटली ने राज्यों को निवेश आकर्षित करने के लिए सुधार करने का आग्रह करते हुए कहा कि निवेशक नीति गतिहीनता पसंद नहीं करते और ऐसे गंतव्यों को पसंद करते हैं जो अधिक अनुकूल व्यापार और राजनीतिक परिवेश प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि सहकारी संघवाद के अलावा भारत एक प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद भी बन गया है और भविष्य प्रतिस्पर्धी संघवाद का होगा, क्योंकि यह केन्द्र-राज्य संबंध नहीं हैं बल्कि निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य आपस में एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

- कृषि क्षेत्र में विपणन एवं विनिर्माण की आपार संभावनाएं।
- रेल कोच फैक्टरी की योजना को जल्द ही वास्तविकता में बदलेगी केंद्र सरकार : प्रभु।
- मोदी और मनोहर की जोड़ी हरियाणा को विकास मामले में अग्रणी बनाएगी : वैंकेया।

उन्होंने कहा कि जो राज्य सुधार नहीं करते, वहां के लोग अलाभकारी स्थिति में हैं और जो राज्य निवेशकों को अधिक अनुकूल आर्थिक, व्यापार एवं राजनीतिक परिवेश प्रदान करने की स्थिति में हैं, उन्हें लाभ होगा। वित्त मंत्री, जिन्होंने विनिर्माण एवं रियल एस्टेट क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाने की घोषणा की, ने कहा कि यदि राज्य में गतिहीनता का माहौल है और नीतियां सुधार नहीं कर रही हैं तो निवेशक वहां निवेश करने के लिए उत्साहित नहीं होते।

उन्होंने कहा कि दिल्ली स्वयं संतृप्त है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने के कारण हरियाणा को लाभ मिल रहा है। एक ऐसी वैधानिक व्यवस्था बहुत महत्वपूर्ण है, जिसके तहत ढांचागत परियोजनाओं की सफलता को गति प्रदान करने के लिए बेहतर मध्यस्थता के माध्यम से लागत वृद्धि को रोका जा सकता है। हरियाणा उद्यमी उत्साही राज्य है और प्रदेश को इसका पूरा लाभ उठाने का उचित अवसर प्राप्त है। उन्होंने कहा कि उन्हें आश्वासन दिया गया है कि हरियाणा के लोगों का लचीलापन इसकी रक्षा करेगा।

जेटली ने कहा कि हरियाणा की समग्र अर्थव्यवस्था है। इसे दिल्ली के निकट आटो हब प्राप्त है। ये हरियाणा के लिए कुछ अनुकूल परिस्थितियां हैं और ऐसे परिदृश्य में संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करना बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा और कौशल विकास के लिए संस्थागत प्लेटफार्म का तंत्र इसके केन्द्र में है, जो हरियाणा को महान अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय बजट में कुछ घोषणाएं की गई हैं, जो हरियाणा की प्रगति में योगदान करने का वायदा करती हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में विपणन एवं विनिर्माण की आपार संभावनाएं हैं और निवेशकों को व्यापार के लिए कई विकल्प मिल जाएंगे। हरियाणा आटो एवं आईटी जैसे उद्योगों और हाल ही में सेवा क्षेत्र का गढ़ बना है लेकिन उसे पूरे राज्य के समग्र विकास पर ध्यान केन्द्रित करना होगा।

नागरिक विमानन मंत्रालय क्षेत्रीय हवाई सम्पर्क को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। राज्य के स्वामित्व वाली 25 निष्क्रिय हवाई पट्टिकाओं में से दो हरियाणा में हैं और इन्हें सक्रिय करके इस दिशा में बेहतर कार्य किया जा सकता है।

पहले दिन 1,28,740 करोड़ निवेश के 38 एमओयू

गुड़गांव। हरियाणा सरकार ने गुड़गांव में आयोजित दो दिवसीय हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, 2016 के पहले दिन विभिन्न कम्पनियों के साथ 1,28,740 करोड़ रुपये के निवेश के 38 एमओयू किए हैं। ये एमओयू विभिन्न देशों के सम्भावित निवेशकों और अग्रणी उद्यमियों के साथ हुए हैं। इस समिट में केन्द्रीय मंत्रियों ने हरियाणा की विकास गति को त्वरित करने के लिए सहयोग की पेशकश की है। केन्द्रीय रेलवे मंत्री सुरेश प्रभु ने हरियाणा में रेल कोच फैक्टरी स्थापित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की उपस्थिति में हरियाणा सरकार की ओर से हरियाणा राज्य औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) के प्रबन्ध निदेशक सुधीर राजपाल द्वारा कम्पनियों के प्रतिनिधियों के साथ एमओयू दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। इन समझौतों में एम3एम के साथ मिश्रित उपयोग विकास, कार्यालय और परचून तथा स्मार्ट सिटी के सम्बन्ध में हुआ 45,365 करोड़ रुपये का निवेश का एमओयू, वाटिका लिमिटेड के साथ हुआ 12,823 करोड़ रुपये निवेश का एमओयू तथा आई.आर.ई.ओ. के साथ 11,100 करोड़ रुपये का एमओयू शामिल है। इसी तरह से ऑल इंडिया प्लास्टिक्स मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के साथ कौशल विकास के लिए 23 करोड़ रुपये का, ओम कार्पो के साथ 500 करोड़ रुपये का, ठोस कचरा प्रबन्धन के लिए अलकौशी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ 680 करोड़ रुपये का, कौशल विकास के लिए ही अमरटेक्स ग्रुप के साथ 125 करोड़ रुपये का, कृषि उपकरणों के लिए चेरी उद्योग के साथ 200 करोड़ रुपये का, खाद्य प्रसंस्करण प्लांट के लिए कूट मास्ट इंडिया होल्डिंग के साथ 552 करोड़ रुपये का, सौर ऊर्जा के लिए सीएलपी के साथ 8650 करोड़ रुपये का, सूती धागा बुनाई के लिए कलर क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ 90 करोड़ रुपये का, इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए कंट्री वाइड प्रमोटर्स से 6132 करोड़ रुपये का, सीएमआर पहलों के लिए डीएलएफ फाउंडेशन के साथ 110 करोड़ रुपये का, एलईडी और गैर-एलईडी इनडोर लाइटिंग, फिक्सचर्स और डाउनलाइटर्स, होम डेकोरेशन और फर्नीचर उत्पादों के लिए इग्लो इंडिया के साथ 200 करोड़ रुपये का, एक्रेलिक निर्माण के लिए एक्सल एक्रेलिक प्राइवेट लिमिटेड के साथ 30 करोड़ रुपये का एमओयू हुआ।

उन्होंने कहा कि हरियाणा को कई अन्य लाभ हैं। राष्ट्रीय राजधानी से निकटता हरियाणा के लिए सबसे बड़ा लाभ है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के 13 जिले एनसीआर में आते हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का हिस्सा और सृजित किए जा रहे औद्योगिक कोरिडोर के कुछ भाग हरियाणा में होने के कारण राज्य को निवेश आकर्षित करने के सम्बंध में बहुत लाभ मिल रहा है।

गुड़गांव में आयोजित हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में देश-विदेश के उद्यमियों से केन्द्रीय रेलवे मंत्री सुरेश प्रभु ने कहा कि हमारे से पहले की सरकार ने हरियाणा में कोच फैक्टरी लगाने की रेल बजट में घोषणा की थी, लेकिन इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने घोषणा की कि अब केन्द्र सरकार इस रेल कोच फैक्टरी की योजना को जल्द ही वास्तविकता में बदलेगी। यह कोच फैक्टरी 120 एकड़ में स्थापित होगी। उन्होंने कहा कि देशभर में रेलवे में उनका मंत्रालय बड़ा निवेश कर रहा है। हरियाणा में भी संयुक्त उद्यम कम्पनी के माध्यम से प्रदेश में रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करेंगे। इस दिशा में हरियाणा देश का पहला राज्य होगा। उन्होंने वहां उपस्थित उद्यमियों से आग्रह किया कि वे संयुक्त उद्यम कम्पनी में भागीदार बनकर रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने में सहयोग करें। प्रभु ने कहा कि कारोबार की लागत को कम करने और कारोबार की गति बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

इस अवसर पर केन्द्रीय शहरी विकास, आवास, शहरी गरीबी उन्मूलन और संसदीय कार्य मंत्री वैंकेया नायडू ने कहा कि वे आज यहां जेएनयू जैसी एकजुटता दिखाने नहीं आया हूं बल्कि देश में और हरियाणा में जो विकास हो रहा है, उसकी बात करने आया हूं। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोपरेटिव फैडरेलिजम पर चलते हुए टीम इंडिया के साथ आज एक नया भारत आकार ले रहा है। आज पूरी दुनिया भारत की ओर निहार रही है। स्मार्ट सिटी और अमृत जैसी योजनाओं के तहत केन्द्र सरकार शहरों का कायाकल्प करने के लिये करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। हरियाणा के फरीदाबाद और करनाल को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के लिये चयन किया गया है। यह खुशी की बात है कि प्रदेश सरकार गुड़गांव को भी स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करेगी। वर्ष 2022 तक सभी को आवास उपलब्ध करवाने में हरियाणा में सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी और मनोहर लाल की जोड़ी हरियाणा को विकास के मामले में अग्रणी बनाएगी। केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री

शेष खबर पेज 5 पर...

गुड़गांव में निवेशकों का महाकुंभ शुरू

धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि पानीपत रिफाइनरी का प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। इसका और विस्तार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिये उनका मंत्रालय सीएनजी के प्रयोग को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि पैट्रोल में एथनोल मिलाने की बातें तो बहुत होती रही, लेकिन इस दिशा में पिछली सरकारों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पैट्रोल में अब पांच प्रतिशत एथनोल मिलाने की योजना बनाई है, इससे सबसे ज्यादा लाभ हरियाणा को मिलेगा। किसान भाई धान और गेहूं के अवशेषों को जला देते हैं। इन अवशेषों का एथनोल बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि रोहतक के एक वैज्ञानिक ने सड़े हुए आलू से एथनोल बनाने का एक प्रोजैक्ट भेजा है। किसानों के हितों से जुड़े ऐसे प्रोजेक्टस में सरकार पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने उद्यमियों का आह्वान किया कि वे कृषि अवशेषों से एथनोल बनाने में अपना भरपूर सहयोग दें।

हरियाणा के वित्त एवं उद्योग मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने यहां हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल समिट में कहा कि हरियाणा में देश व दुनिया के उद्यमियों के लिए निवेश के अनुकूल माहौल हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में कारोबार की लागत को कम करने और पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए कई तरह की रियायतें और प्रोत्साहन दिए गये हैं। सभी स्वीकृतियां एक ही छत के नीचे प्रदान करने के लिए सिंगल रूफ सेवा शुरू की गई है। पूंजीनिवेश के लिए कर प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया गया है और सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन की गई हैं। उन्होंने कहा कि कृषि आधारित उद्योगों, ऑटो इन्डस्ट्री, आईटी, आईटीईएस, टेक्सटाइल, फुटवियर, फूडप्रोसैसिंग, नवीनीकरणीय उर्जा के क्षेत्रों में व्यापक सम्भावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की अनुकूल भौगोलिक स्थिति के कारण मेक-इन-इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्टैंडअप इंडिया का हरियाणा को बहुत लाभ होगा। केएमपीएल एक्सप्रैस-वे के साथ ग्लोबल कोरिडोर की स्थापना से प्रदेश के औद्योगिक विकास में एक नया अध्याय जुड़ेगा। प्रदेश सरकार कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा दे रही है और गांवों-गांवों में ब्रोडबैंड की सुविधा उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कनैक्टिविटी बढ़ रही है। दिल्ली-अमृतसर राष्ट्रीय राजमार्ग के बनने से प्रदेश के विकास को बढ़ावा मिलेगा। हिसार में 3000 एकड़ सरकारी भूमि पर एक अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी सरकार बनाने जा रही है। हरियाणा गुड़गांव को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित कर रही है। यह भारत का विश्व स्तर का पहला ग्लोबल सिटी होगा। बावल में लॉजिस्टिक हब स्थापित करने की एक महत्वपूर्ण योजना है। चंद्रजीत बनर्जी, महानिदेशक, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने बताया कि हरियाणा ग्लोबल इन्वैस्टर्स सम्मिट में भाग लेने वाले 12 देश इस बात का गवाह हैं कि हरियाणा एक ऐसा राज्य है जो कि पूंजीनिवेशकों के लिए ही नहीं, अपितु विश्वभर के व्यवसायिक समुदाय के लिए भी भरोसेमंद निवेशस्थल है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) हरियाणा सरकार के साथ विशेषकर सामाजिक विकास जैसे क्षेत्रों में आगे भी काम जारी रखना चाहेगा। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) हरियाणा सरकार का भागीदार बने रहने का इच्छुक है। इस अवसर पर मेदांता के एमडी डॉ. नरेश त्रेहन ने कहा कि हम पिछले 10 सालों से हरियाणा में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इसके लिए उन्हें राजनेताओं और नागरिक प्रशासन से पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मेदांता की एक मैडिकल स्कूल और 1000 बिस्तरों का एक और अस्पताल आगामी 5 वर्षों में खोलने की योजना है।

जी. ग्रुप के डॉ. सुभाष चन्द्रा ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वे हिसार के बेटे हैं। उन्होंने कहा कि हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इंवैस्टर समिट राज्य के लिए एक अच्छे कल की शुरूआत है। उन्होंने इस आयोजन के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को बधाई दी।

भारत में जापान के एम्बैसडर के. हीरामात्सु ने कहा कि हरियाणा में जापान की 305 कम्पनियां हैं, जोकि देशभर में सर्वाधिक हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ऑटो सैक्टर और दूसरे निवेश को मनोहर लाल सरकार का पूरा सहयोग मिला है। जापान लगभग 30 बिलियन अमरीकी डालर का निवेश करने का प्रतिबद्ध है और सामाजिक विकास में भी सहयोग

करने का इच्छुक है। उन्होंने कहा कि जापानी समेकित औद्योगिक टाउनशिप स्थापित करने के लिए झज्जर का चयन किया गया है। होंडा मोटरसाईकिल एण्ड स्कूटर्स इंडिया के सीईओ कैटा मुरामात्सु ने कहा कि नई उद्यम प्रोत्साहन नीति से पिछले एक साल में हरियाणा में कारोबार की सहूलियत बढ़ी है। फोर्टीज हैल्थकेयर के श्री मलविंद्र मोहन सिंह ने कहा कि गुड़गांव स्थित फोर्टीज अस्पताल 35 प्रतिशत अन्तर्राष्ट्रीय मैडिकल टूरिज्म की मांग को पूरा करता है। उन्होंने इसके लिए सरकार का आभार व्यक्त किया। लोट्टे ग्रुप के चांग ह्वांग ने कहा कि मनोहर लाल सरकार के सहयोग से उन्होंने रोहतक में एक कन्फैक्शनरी फैक्टरी स्थापित की है। हमारा हॉस्पिटेलिटी का कारोबार सही ढंग से चल रहा है। उन्होंने कहा कि वे अब स्मार्ट सिटी विकास, औद्योगिक टाउनशिप, मनोरंजन हब और रियल एस्टेट विकास में भी करोबार करने के इच्छुक हैं। गोदरेज ग्रुप के आदी गोदरेज ने कहा कि हरियाणा में उनके रियल एस्टेट की सात परियोजनाएं चल रही हैं। हम भविष्य में ऐसी और भी परियोजनाएं शुरू करना चाहते हैं। हम अपने रियल एस्टेट के सम्बन्ध में बड़े आशावादी हैं। सन फार्मा के दलीप सांघवी ने कहा कि गुड़गांव के हमारे अनुसंधान केन्द्र में 1100 वैज्ञानिक कार्यरत हैं। उन्होंने उद्यम प्रोत्साहन नीति, 2015 में फार्मा क्षेत्र को सुविधाएं देने के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे गुड़गांव में एक प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। डीएलएफ के राजीव सिंह ने कहा कि वे कई दशकों से हरियाणा के विकास में भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि अब हरियाणा विकास के एक नये दौर में प्रवेश कर रहा है। मारुति सुजुकी के आरसी भार्गव ने कहा कि हरियाणा विनिर्माण क्षेत्र में निवेश हेतु बड़ी तेजी से आगे बढ़ रहा है। मारुति सुजुकी के लिए हरियाणा और भारत बड़े महत्वपूर्ण स्थान है। हरियाणा के कामगार बड़े बुद्धिमान और मेहनती हैं तथा स्वामित्व व सहभागीदारी की भावना से काम करते हैं। इन परिस्थितियों और सरकार की प्रगतिशील व सहायक सोच से एक निवेश के अनुकूल माहौल बना है। हीरो मोटर कार्पोरेशन के पवन मुंजाल ने कहा कि हम नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य, रियल एस्टेट आदि के क्षेत्रों में निवेश करके हरियाणा में अपनी जड़े मजबूत कर रहे हैं। सीआईआई के सुमित मजूमदार ने कहा कि हरियाणा कर्मभूमि है, प्रगतिशील नीतियों से आगे बढ़ने वाला है। उद्यम प्रोत्साहन नीति, 2015 इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हरियाणा आईटी, विनिर्माण, कृषि आधारित उद्योगों में देशभर में अग्रणी होगा। आईटीसी के वाई सी देवेश्वर ने कहा कि वे खाद्य प्रसंस्करण में 550 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। अदानी ग्रुप के गौतम अदानी ने कहा कि उन्हें हरियाणा पर गर्व है, जिसकी जनसंख्या देश की जनसंख्या का दो प्रतिशत है, लेकिन सशस्त्र सेना में 10 प्रतिशत योगदान है। हरियाणा का क्षेत्रफल देश के क्षेत्रफल का 1.5 प्रतिशत है, लेकिन केन्द्रीय खाद्यान्न भण्डार में इसका योगदान देने में दूसरा स्थान है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का विनिर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। यहां स्थापित 90,000 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मेक-इन-इंडिया को सफल बनाने में सहयोग कर रहे हैं। पहली पीढ़ी के उद्यमियों को सहायता करने में मनोहर लाल सरकार का कोई सानी नहीं है और दूसरे प्रदेशों को इसका अनुकरण करना चाहिए। अदानी ग्रुप द्वारा गेहूं की अत्याधुनिक भण्डारण क्षमता विकसित करके और इनलैंड कनटेनर डिपो स्थापित करके हरियाणा में भागीदार बना है। उन्होंने कहा कि हमने डिस्कॉम के सहयोग से 1500 मैगावाट का देश का पहला एचवीडीसी पावर सिस्टम विकसित किया गया है। चीन के राजदूत ली यूचेंग ने कहा कि चीन के पूंजीनिवेशकों के लिए भारत में हरियाणा पहली पसंद है। उन्होंने कहा कि वे हरियाणा के मुख्यमंत्री का चीन के दौरे की सराहना करते हैं। चीन की दर्जनों कम्पनियां हरियाणा में निवेश करने की उत्सुक हैं। इनफोसिस के नारायण मूर्ती ने कहा कि हरियाणा ने कृषि उत्पादन में उत्पादकता बढ़ाने में सराहनीय कार्य किया है। वांडा ग्रुप के वांग जियानलिन डालिन ने कहा कि हरियाणा में भागीदार बनने में उनकी गहरी रुचि है।